

आपके सवाल विशेषज्ञ के जवाब



प्रश्न:- मुझे मधुमेह के साथ दमा भी है जिसके लिये मैं स्टिराईड इन्हेलर ले रहा हूँ। क्या इससे ब्लड शुगर बढ़ सकती है ?

- के.के. अग्रवाल बरेली (उ.प्र.)

उत्तर:- स्टिराईड दवाई को यदि मुँह से या इंजेक्शन से लें तो निश्चित ही ब्लड शुगर बढ़ जायेगी। परन्तु इन्हेलर से लने पर इसका असर फेफड़ों तक ही सीमित रहता है और बहुत ही कम मात्रा खून में पहुँचती है। इस तरह इन्हेलर से लेने पर स्टिराईड का असर ब्लड शुगर पर नहीं के बराबर होता है।

प्रश्न:- मैं ग्लॉयनेज़ (ग्लिक्लाज़िड) तीन गोली रोज ले रहा हूँ। इसे खाने से पहले लेना चाहिये या बाद में?

- वी.पी. श्रीवास्तव, सागर (म.प्र.)

उत्तर:- इस गोली को भोजन से आधा घंटा पहले लेने पर सबसे अच्छा प्रभाव होता है। खाना खाने के बाद खून में ग्लूकोज की मात्रा बढ़ने से पहले यदि यह दवाई खून में पहुँच जाय तो इसका ज्यादा अच्छा असर होगा। भोजन के साथ या बाद में लेने पर दवाई की पूर्ण मात्रा आँतों से खून में नहीं पहुँच पाती।

प्रश्न:- मेरे पैरों में सख्त गठानें पड़ गई हैं व इन पर वजन पड़ने पर दर्द होता है। क्या करूँ ?

- रुद्र प्रताप शर्मा, भोपाल

उत्तर :- यह एक गंभीर समस्या है व आगे जा कर तकलीफ दे सकती है। पैरों के एक भाग पर लगातार वजन व घर्षण से चमड़ी बहुत सख्त हो अंदर के उतकों पर दबाव डालती है, इसे कार्न कहते हैं। आप अपने जूते बदल दें। बिल्कुल नरम सोल वाले जूते-चप्पल पहनें। नंगे पाँव न चलें। जूते के अंदर इंडिया रबर का इन-सोल रखवा लें। यदि इस इन-सोल में कार्न वाली जगह एक छेद बनवा लें तो इस जगह आगे दबाव नहीं पड़ेगा व धीरे-धीरे यह ठीक हो जायेगा। इन सबसे भी बात न बने तो सर्जन से मिलें व इसे छोटे से आपरेशन से निकलवाना पड़ेगा।

प्रश्न:- मैंने कई आँखों के डॉक्टरों से नज़र के चश्मे बनवाये पर कोई सूट नहीं होता। डॉक्टर कहते हैं यह मधुमेह की वजह से है। क्या यह संभव है ?

- स्नेहलता जैन, कोहेफिज़ा (भोपाल)

उत्तर :- खून में ग्लूकोज की मात्रा कम या ज्यादा होने पर आँखों के लेंस की फोकल लेंथ में अंतर हो जाता है। इस प्रकार आपकी मधुमेह नियंत्रण की स्थिति के अनुसार चश्मे का नंबर बदलता रहता है। आप चश्मे का नंबर तभी लें जब आपकी खून में ग्लूकोज की मात्रा सामान्य हो। यदि आपका ग्लूकोज नियंत्रण में रहेगा तो यह नंबर आपको सूट करता रहेगा।